चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	19.06.2020	01	04-06

एचएयू में हॉस्टल का होगा पार्टीशन एक रूम में रहेंगे केवल दो स्टूडेंट्स

भास्कर न्यूज | हिसार

कोरोना से छात्र-छात्राओं को बचाने के लिए एचएयू प्रशासन जल्द ही हॉस्टल के अंदर पार्टीशन का कार्य शुरू करा सकता है। एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि हालांकि अभी विश्वविद्यालय में छात्र एवं छात्राओं को नहीं बुलाया जा रहा है, उन्हें ऑनलाइन पढ़ाई कराई जा रही है। कॉलेज आने के बाद छात्र एवं छात्राएं कोरोना वायरस की चपेट में न आएं, जब भी छात्र-छात्राओं को बुलाया जाएगा एक हॉस्टल रूम में सिर्फ दो ही स्टूडेंट्स को रुकवाया जाएगा।

एचएयू में बाहरी लोगों की एंट्री पर बैन

कोरोना से बचाने के मद्देनजर एचएयू में बाहरी लोगों की एंट्री बैन कर दी गई है। यही नहीं गेट नंबर 4 को भी बंद कर दिया गया है, जो सिर्फ स्टाफ के लिए खोला जा रहा है। गेट नंबर 1 पर रजिस्टर में एंट्री करने के बाद ही लोगों को अंदर प्रवेश करने दिया जाता है। कोरोना से बचाव के मद्देनजर प्रतिदिन जहां एचएयू को सैनिटाइज कराया जा रहा है, वहीं स्टाफ के और सदस्य पहुंच रहे, उनसे डिस्टेंस के साथ ही कार्य कराया जा रहा है। यही नहीं ऑफिस का अधिकतर कार्य भी ऑनलाइन कराया जा रहा है।

विदेशी स्टूडेंट्स की कराई जा रही काउंसिलिंग : वीसी ने बताया कि एचएयू में ठहरे विदेशी स्टूडेंट्स की प्रतिदिन काउंसलिंग कराई जा रही है। यही नहीं उनकी स्वास्थ्य जांच भी की जाती है। जिसके लिए अलग से स्वास्थ्य टीम गठित की गई है। ताकि परेशानी न हो।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	20.06.2020	02	05

एचएयू में मशरूम प्रशिक्षण वेबिनार में प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. के.पी. सिंह।

एचएयू में 'मशरूम उत्पादन' पर तीन दिवसीय वेबिनार शुरू

हिसार| एचएयू के साइना नेहवाल कृषि प्रोद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से ऑनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से 'मशरूम उत्पादन' पर तीन दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'मशरूम उत्पादन : कौशल से उद्यमिता की ओर' रहा। विवि के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है जिसमें कम लागत से ज्यादा मुनाफा प्राप्त किया जा सकता है।

संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मंजू दहिया ने प्रशिक्षणार्थियों को कौशल से उद्यमिता की ओर जाने के लिए प्रेरित किया और बताया कि कैसे वो इस संस्थान के माध्यम से प्रशिक्षण लेकर अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजक डॉ. पवित्रा कुमारी व डॉ. भूपेंदर सिंह हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	20.06.2020	04	01-02

'मशरूम उत्पादन : कम लागत में ज्यादा मुनाफा'

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की तरफ से 'मशरूम उत्पादन : कौशल से उद्यमिता की ओर' विषय पर तीन दिवसीय वेबिनार शुरू हुआ। इसमें हरियाणा व राजस्थान के विभिन्न जिलों से लगभग 25 प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं। एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय है, जिसमें कम लागत से ज्यादा मुनाफा प्राप्त किया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	19.06.2020	--	--

हकृवि द्वारा 'मशरूम उत्पादन' पर तीन दिवसीय वेबिनार का आयोजन

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रोद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा ऑनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से 'मशरूम उत्पादन' पर तीन दिवसीय वेबिनार का आयोजन प्रारंभ हुआ जिसका विषय 'मशरूम उत्पादन : कौशल से उद्यमिता की ओर' है। इस वेबिनार में हरियाणा व राजस्थान के विभिन्न जिलों से लगभग 25 प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहें हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्होनें कहा कि कोरोना महामारी के चलते डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से विश्वविद्यालय के द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे है, जहां से प्रशिक्षित होकर बेरोजगार युवक-युवतियां और किसान भाई अपने हुनर को तराश कर अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं और दूसरों को रोजगार दे सकते हैं। साथ ही उन्होनें प्रशिक्षणार्थियों को किसी भी व्यवसाय की शुरूआत करते वक्त सफलता-असफलता के बिंदुओं पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मंजू दहिया ने प्रशिक्षणार्थियों को कौशल से उद्यमिता की ओर जाने के लिए प्रेरित किया और बताया कि कैसे वो इस संस्थान के माध्यम से प्रशिक्षण लेकर अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं, साथ ही उन्होनें कृषि से जुड़े विभिन्न कौशल प्रशिक्षणों के बारे में भी अवगत कराया जिसमें गार्डनर, ट्रैक्टर ऑपरेटर, मधुमक्खी पालक, मशरूम उत्पादक, सूक्ष्म सिंचाई तकनीक, जैविक खेती व फूलों की खेती आदि शामिल हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजक डॉ. पवित्रा कुमारी व डॉ. भूपेंद्र सिंह हैं। अगामी वेबिनार का विषय 'मृदा विश्लेषक-मिट्टी जांच लैब टेक्निशियन' पर आधारित होगा जिसे 22-24 जून तक आयोजित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	19.06.2020	---	---

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा 'मशरूम उत्पादन' पर तीन दिवसीय वेबिनार का आयोजन

June 19, 2020 • Rakesh • Haryana News

हिसार: 19 जून

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रोद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा ऑनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से 'मशरूम उत्पादन' पर तीन दिवसीय (18 जून से 20 जून) वेबिनार का आयोजन प्रारंभ हुआ। जिसका विषय 'मशरूम उत्पादन : कौशल से उद्यमिता की ओर' है। इस वेबिनार में हरियाणा व राजस्थान के विभिन्न जिलों से लगभग 25 प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहें हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्होनें कहा कि कोरोना महामारी के चलते डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से विश्वविद्यालय के द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे है, जहां से प्रशिक्षित होकर बेरोजगार युवक-युवतियां और किसान भाई अपने हुनर को तराश कर अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं और दूसरों को रोजगार दे सकते हैं। साथ ही उन्होनें प्रशिक्षणार्थियों को किसी भी व्यवसाय की शुरूआत करते वक्त सफलता-असफलता के बिंदुओं पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होनें प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि मशरूम उत्पादन एक ऐसा व्यवसाय हैजिसमें कम लागत से ज्यादा मुनाफा प्राप्त किया जा सकता हैं।

संस्थान की सहनिदेशिका डॉ. मंजू दहिया ने प्रशिक्षणार्थियों को कौशल से उद्यमिता की ओर जाने के लिए प्रेरित किया और बताया कि कैसे वो इस संस्थान के माध्यम से प्रशिक्षण लेकर अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं, साथ ही उन्होनें कृषि से जुड़े विभिन्न कौशल प्रशिक्षणों के बारे में भी अवगत कराया जिसमें गार्डनर, ट्रैक्टर ऑपरेटर, मधुमक्खी पालक, मशरूम उत्पादक, सूक्ष्म सिंचाई तकनीक, जैविक खेती व फूलों की खेती आदि शामिल हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजक डॉ. पवित्रा कुमारी व डॉ. भूपेंदर सिंह हैं। अगामी वेबिनार का विषय 'मृदा विश्लेषक-मिट्टी जांच लैब टेक्रिशियन' पर आधारित होगा जिसे 22-24 जून तक आयोजित किया जायेगा